भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 39**

17.07.2017 को उत्‍तर के लिए

**पश्चिमी बंगाल में मैनग्रोव का संरक्षण**

**39. श्री विवेक गुप्‍ता :**

क्‍या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

1. देश में मैनग्रोव के मौजूदा वनक्षेत्र का ब्‍यौरा क्‍या है और विगत तीन वर्षों के दौरान इसमें राज्‍य-वार कितनी वृद्धि हुई है;
2. विगत तीन वर्षों के दौरान देश में मैनग्रोव के संरक्षण हेतु आबंटित, जारी एवं उपयोग की गई धनराशि का राज्‍य-वार ब्‍यौरा क्‍या है और पश्चिमी बंगाल हेतु तत्‍संबंधी जिला-वार ब्‍यौरा क्‍या है; और
3. विगत तीन वर्षों के दौरान पश्चिमी बंगाल विशेषकर सुंदरबन क्षेत्र, जिसमें देश के कुल मैनग्रोव वन क्षेत्र का लगभग आधा हिस्‍सा शामिल है, में मैनग्रोव के संरक्षण हेतु किए गए उपायों का ब्‍यौरा क्‍या है?

**उत्‍तर**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री**

**(डॉ. हर्ष वर्धन)**

1. भारतीय वन सर्वेक्षण की 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2015' नामक रिपोर्ट के अनुसार देश में कच्‍छ वनस्‍पति (मैंग्रोव) आवरण 4740 वर्ग किलोमीटर है। 2015 के आकलन में, वर्ष 2013 के आकलन की तुलना में मैंग्रोव वन क्षेत्र में 112 वर्ग किलोमीटर की निवल वृद्धि और 2011 के आकलन की तुलना में 77 वर्ग किलोमीटर की निवल वृद्धि इंगित की गई है। नीचे दी गई तालिका में पूर्वोक्‍त 2015 के आकलन में यथाअनुमानित मैंग्रोव आकलन की राज्‍य/संघ राज्‍य क्षेत्रवार स्थिति और साथ ही पूर्व के आकलनों की तुलना में हुए परिवर्तन को दर्शाया गया है ।

क्षेत्रफल वर्गकिमीमें

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **राज्‍य/संघ राज्‍य क्षेत्र** | 2011 | 2013 | 2015 | 2015-2013 परिवर्तन | 2013-2011 परिवर्तन |
| आन्‍ध्र प्रदेश | 352 | 352 | 367 | 15 | 0 |
| गोवा | 22 | 22 | 26 | 4 | 0 |
| गुजरात | 1058 | 1103 | 1107 | 4 | 45 |
| कर्नाटक | 3 | 3 | 3 | 0 | 0 |
| केरल | 6 | 6 | 9 | 3 | 0 |
| महाराष्‍ट्र | 186 | 186 | 222 | 36 | 0­ |
| ओडिशा | 222 | 213 | 231 | 18 | ­−9 |
| तमिलनाडु | 39 | 39 | 47 | 8 | 0 |
| पश्चिम बंगाल | 2155 | 2097 | 2106 | 9 | −58 |
| अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह | 617 | 604 | 617 | 13 | −13 |
| दमन एवं दीव | 2 | 1.63 | 3 | 1.37 | −0.37 |
| पुडुचेरी | 1 | 1 | 2 | 1 | 0 |
| कुल (किमी2) | 4,663 | 4,628 | 4,740 | 112 | −35 |

ख. राज्‍यों/संघ राज्‍य क्षेत्र सरकारों से प्राप्‍त सूचना के आधार पर पिछले तीन वर्षों के दौरान मैंग्रोव के संरक्षण हेतु आवंटित, जारी और उपयोग में लाई गई निधियों का विवरण अनुबंध में दिया गया है ।

तटीय पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षा हेतु, मंत्रालय द्वारा विश्‍व बैंक की सहायता से एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन परियोजना (आईसीजेडएमपी) भी कार्यान्वित की जा रही हैं । इस परियोजना में राष्‍ट्रीय घटक और राज्‍य घटक शामिल हैं । राज्‍य घटक के अन्‍तर्गत, गुजरात, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को शामिल किया गया है । इस परियोजना के प्रमुख घटकों में से एक में इन तीन राज्‍यों में मैंग्रोव का संरक्षण करना शामिल है। हेक्‍टेयर में मैंग्रोव रोपण और व्‍यय की गई धनराशि निम्‍नवत है:

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **राज्‍य** | **मैनग्रोव रोपण (हे.में)** | **व्‍यय की गई धनराशि (करोड़ में)** |
| गुजरात | 16500 | 32.82 |
| ओडिशा | 228 | 3.29 |
| पश्चिम बंगाल | 360 | 3.12 |

इसके अतिरिक्‍त, आईसीजेडएमपी के राष्‍ट्रीय घटक के अन्‍तर्गत मैंग्रोव सहित सभी तटीय पारिस्थितिकी-संवेदी क्षेत्रों का मानचित्रण किया जाता है। उक्‍त कार्यकलाप के लिए, लगभग 10 करोड़ रूपये उपयोग में लाए गए हैं ।

ग. पश्चिम बंगाल में मैंग्रोव के संरक्षण और प्रबंधन के लिए निम्‍नलिखित कदम उठाए गए हैं :

1. वन स्‍टाफ द्वारा सुन्‍दरबन जैव मंडल रिजर्व की नियमित आधार पर गश्‍त लगाई जाती है। स्‍टाफ के बीच संचार के लिए वास्‍तविक पारेषण प्रणाली और मोबाईल संचार के एक नेटवर्क की स्‍थापना की गई है। गश्‍त के लिए अनेक वाटर लान्‍चों, स्‍पीड नौकाओं, छोटी नौकाओं को काम में लगाया गया है। सुन्‍दरबन बाघ रिजर्व में ई-पैट्रोलिंग की शुरूआत भी की गई है ।
2. मंत्रालय ने तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना, 2011 जारी की है। इस अधिसूचना के अन्‍तर्गत, मैंग्रोव सहित तटीय पारिस्थितिकीय संवेदी क्षेत्रों को सीआरजेड-। के रूप में वर्गीकृत किया गया है जहां विशेषकर जनहित में इस अधिसूचना के अन्‍तर्गत अनुमेय सीमित कार्यकलापों को छोड़कर किसी भी कार्यकलाप की अनुमति नहीं है ।
3. सीआरजेड अधिसूचना, 2011 के अन्‍तर्गत, सुन्‍दरबन को महत्‍वपूर्ण संवेदनशील तटीय क्षेत्र घोषित किया गया है।
4. ग्रामीणों को नौका लाइसेंस देकर उनके द्वारा मछलियां पकड़ने को विनियमित किया गया है और इसकी निगरानी की जाती है ।
5. शहद एकत्रणकर्ताओं को विनियमित किया गया है और उनकी निगरानी की जाती है ।
6. शीर्ष प्रजातियों अर्थात बाघ और अन्‍य वन्‍यजीवों की नियमित रूप से निगरानी की जाती है ।
7. क्षेत्र में आवश्‍यकता के अनुरूप मैंग्रोव रोपण का कार्य किया जाता है ।

\*\*\*\*\*\*\*

**‘पश्चिमी बंगाल में मैंग्रोव के संरक्षण’ के संबंध में दिनांक 17.07.2017 को उत्‍तर के लिए पूछे गए राज्‍य सभा अतारांकित प्रश्‍न सं. 39 के भाग (ख) के उत्‍तर में उल्लिखित अनुबंध**

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **राज्‍य/संघ राज्‍य क्षेत्र का नाम** | **2014-15** | | | **2015-16** | | | **2016-17** | | |
| **आवंटित** | **जारी** | **उपयोग** | **आवंटित** | **जारी** | **उपयोग** | **आवंटित** | **जारी** | **उपयोग** |
| 1. | **आन्‍ध्र प्रदेश** | 10.873 | 10.873 | 10.873 | 13.848 | 13.848 | 13.848 | 10.73 | 10.73 | 10.73 |
| 2. | **गुजरात** | 2226.69 | 1059.51 | 1242.97 | 723.45 | 613.02 | 609.36 | 2534.50 | 2460.38 | 1944.00 |
| 3. | **कर्नाटक** | 86.55 | 84.24 | 84.24 | .. | .. | .. | 175.542 | 167.56 | 158.86 |
| 4. | **केरल** | 120.00 | 13.416 | 11.120 | .. | .. | .. | .. | .. | .. |
| 5. | **महाराष्‍ट्र** | 230.11 | 230.11 | 230.11 | 362.05 | 362.05 | 362.05 | 135.95 | 135.95 | 135.95 |
| 6. | **ओडिशा** | 127.10 | 101.68 | 97.98 | 127.45 | 101.96 | 66.00 | 86.25 | 87.71 | 122.21 |
| 7. | **तमिलनाडु** | 277.940 | 201.568 | 177.293 | 202.556 | 162.045 | 144.068 | 270.522 | 262.462 | 207.430 |
| 8. | **पश्चिम बंगाल उत्‍तर**  **24-परगना (सुंदरबन)** | 118.723 | 118.723 | 112.887 | 168.30 | 168.30 | 150.144 | 153.060 | 153.060 | 146.333 |

(लाख रूपये में)